आंबे माँ तेरे दर आके

बदला दे विच तेरा दर दातिए दस एतो बिना केहड़ा मेरा घर दातिए,
लख घूमिया दिल नि भरता आंबे माँ तेरे दर आके,
मुड़ दिल घर जान नु नहीं करदा आंबे माँ तेरे दर आके,

लाल लाल चुनिया न सजिया भवन तेरा अम्बरा च गूंज दे जैकारे माँ,
ओह भी तेरे दर उते हाजरियां लाउंदे आके अर्श तो देवे देवी सार माँ,
तू रख ले नौकर मैनु दर दा आंबे माँ तेरे दर आके,

भेज के सुनेहे सच्चे बचैया नु माँ दिखाए पर्वत उते संसार नु,
आवे जेहड़ा ओहदेदु:ख टूट जांदे सारे रेहमता न रंगी दरबार नु,
जो लेके माँ दा नाम पौड़ी पौड़ी चढ़ दा आंबे माँ तेरे दर आके,
हूँ दिल घर जान नु नहीं करदा

टालीया सुनेहरियाँ ते लाल लाल झण्ड़ेया ने भवना ते रौनक लगाई है,
खड़े ने क़तारा विच भगत प्यारे किया रल मिल चोंकि लगाई है,
दु:ख मूक दे जो जय जय कार करदा आंबे माँ तेरे दर आके,

Source: https://www.bharattemples.com/ambe-maa-tere-dar-aake/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw